विकास पर जोर पेज 12

'स्वार्थ नीति' कभी नहीं टिक सकती।

आह्वान : नई शिक्षा नीति से देश को नॉलेज सुपर पावर बनाएं : राष्ट्रपति

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि नई शिक्षा नीति से देश को नॉलेज सुपर पावर बनाएं। शैक्षिक संस्थानों की जिम्मेदारी बड़ी है। तकनीकी संस्थान अन्वेषण, नवाचार और उद्यमशीलता से छात्रों को जॉब ढूंढने की जगह जॉब देने वाला बनाएं।

कानपुर प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को एचबीटीयू के शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति ने कहा कि एचबीटीयू का गौरवशाली इतिहास 20वीं सदी के आरंभ से ही शहर के औद्योगिक विकास से सीधे जुड़ा है।

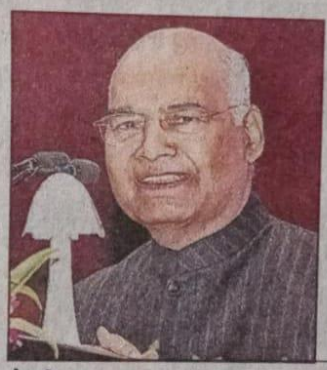

इन्नोवेशन को बढ़ावा देना होगा

संस्थान की राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय पहचान पेंट, ऑयल, फूड टेक्नोलॉजी आदि से है। वर्ष 2016 में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया। इससे रिसर्च और शिक्षा के स्तर में सुधार आएगा। नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र का प्रावधान है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सोच के अनुसार भारतीय भाषाओं में तकनीक अनुसंधान और वैज्ञानिकता को बढावा मिलेगा। इन्नोवेशन को बढ़ावा देना होगा।

मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट, लेदर सिटी ऑफ द वर्ल्ड, इंडस्ट्रियल हब जैसी उपलब्धि एचबीटीयू की टेक्नोलॉजी और मानव संसाधन से ही संभव हो सका है। शताब्दी समारोह में राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल, प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतीश महाना ने शिरकत की। कुलपति ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

बेटियों को आगे बढ़ाएं पेज 02

ध्यान से सुनने में भी आंख झपक जाती...

कानपुर। राष्ट्रपति ने कहा कि जब कभी उद्बोधन कभी सारगर्भित हो जाते हैं, तो लोग उसे बड़े ध्यान से सुनते हैं। ध्यान से सुनने में कभी-कभी कान तो खुले रहते हैं लेकिन आंख झपक जाती है। लेकिन मीडिया के नेत्र खुले रहते हैं। किसी की भी आंख झपकने वाली होती है तो वह कैमरे में कैद हो जाती है। राष्ट्रपति के इतना कहते ही दर्शक समझ गए कि किसे झपकी आई।

याद आया अपना संस्थान : कानपुर के किसी भी शिक्षण संस्थान में जब मैं आता हूं तो हमें अपने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा हो जाती हैं।

इन लोगों ने दी विदाई: एयरपोर्ट पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, महापौर प्रमिला पांडेय, पुलिस कमिश्नर असीम अरुण, एडीजी भानु भाष्कर, मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर, डीएम विशाख जी, एसपी आउटर अजीत सिन्हा ने राष्ट्रपति को विदाई दी। राष्ट्रपति का विशेष विमान 12:35 बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हो गया।

राष्ट्रपति के बोलते ही खूब तालियां बजीं

राष्ट्रपति ने कहा कि बेटियों के आगे बढ़ने की बात जब आती है तो लोग उनसे ईर्ष्या करने लगते हैं। वह कहना चाहते थे कि बेटियों की जब तारीफ की गई तो हॉल में सन्नाटा पसरा रहा। राष्ट्रपति के ऐसा बोलते ही खूब तालियां बजीं। राष्ट्रपति ने बातों बातों में ऐसी कई गंभीर बातें कह दीं। वहीं, एचबीटीयू की ओर से कुलपति ने राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्राविधिक शिक्षा मंत्री और औद्योगिक विकास मंत्री को गौतम बुद्ध की प्रतिमाएं भेंट कीं।

टाइम लाइन

11 बजे : राज्यपाल व मंत्री ऑडिटोरियम में पहुंचे
11:03 बजे : राष्ट्रपति मंच पर पहुंचे
11:24 बजे : टेबल कॉफी बुक का विमोचन
11:25 बजे : इतिहास बुक का विमोचन
11:27 बजे : डाक टिकट का विमोचन
11:28 बजे : चांदी के सिक्के का विमोचन
11:29 बजे : बटन दबाकर भवनों का लोकार्पण
11:30 बजे : प्राविधिक शिक्षा मंत्री का भाषण
11:35 बजे : राज्यपाल का भाषण
11:45 बजे : राष्ट्रपति का भाषण
11: 58 बजे : राष्ट्रगान
12:05 बजे : राष्ट्रपति का प्रस्थान

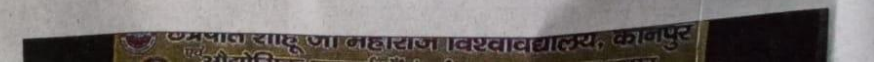

नारी सशक्तीकरण: हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति ने किया आह्वान

तकनीकी क्षेत्र में बेटियों को आगे बढ़ाएं : कोविंद

राष्ट्रपति का दौरा

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह में तो बेटियां आगे रहती हैं लेकिन तकनीकी क्षेत्र में उतनी प्रभावशाली नहीं हैं। हमें बेटियों की सफलता पर ईर्ष्या नहीं करना चाहिए बल्कि उन्हें तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। इससे ही सही नारी सशक्तीकरण हो सकेगा।

उद्यमशीलता के प्रेरक उदाहरण गिनाए : कानपुर प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति ने कहा कि इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता देने वाले ही दुनिया में आगे रहते हैं। अपने देशवासियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। 1990 के बाद जन्म लेने वाले यानी 31 साल से कम उम्र के युवाओं ने 1000 करोड़ रुपए की एसेट अर्जित कर मिलेनियर क्लब में स्थान बनाया है। 23 वर्ष के नवयुवक ने 30 साल पहले डिजिटल कारोबार शुरू किया और आज वह प्रतिदिन 300 करोड़ का लेन-देन कर रहा है। युवा प्रेरणा ले सकते हैं कि 1000 करोड़ एसेट वाले सेल्फ मेड उद्यमियों की संख्या 65 फीसदी हो गई है। भारत में 100 में से 65 उद्यमी स्वावलंबन के बल पर अरबपति हुए।

गुरुवार को एचबीटीयू में राष्ट्रपति, राज्यपाल, कैबिनेट मंत्री सतीश महाना व जितिन प्रसाद, कुलपति समशेर एवं अन्य विशिष्टजन।

यूनिवर्सिटी को टॉप 25 में लाएं

राष्ट्रपति ने कहा कि देश अमृत महोत्सव मना रहा है। हम चाहते हैं कि 2047 तक यूनिवर्सिटी एनआईआरएफ रैंकिंग में देश के टॉप 25 में आ जाए। वर्तमान में इसकी रैंकिंग 166 बताई गई है। टॉप 25 में आना कठिन नहीं है, हम दृढ़ संकल्प कर इसे पूरा कर सकते हैं।

स्वच्छता सर्वे में टॉप फाइव में आए कानपुर

राष्ट्रपति ने 20 नवंबर को जारी स्वच्छता रैंकिंग का जिक्र करते हुए कहा कि इंदौर पिछले लगातार पांच वर्षों से टॉप फाइव में है। अधिकारियों को वहां जाकर देखना चाहिए और उनसे मदद लेकर सुधार करना चाहिए। उन्होंने कानपुर का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2016 में इसकी 173वीं रैंक थी जो 2021 में 21 वीं हो गई है। यह खुशी की बात तो हो सकती है लेकिन संतोष की नहीं। कानपुर के लोगों का स्वभाव हम जानते हैं। वह बेहद मेहनती और लगनशील हैं। जो ठान लेते हैं वह कर दिखाते हैं। स्वच्छता को जन आन्दोलन बनाने की आवश्यकता है।

टॉप पांच विवि में शामिल हो एचबीटीयू

कानपुर। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि एचबीटीयू के शिक्षक, पूर्व छात्र, वर्तमान छात्र बेहतर कार्य कर रहे हैं। वे देश का औद्योगिकी विकास करने के साथ युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान को प्रयास कर देश के टॉप-5 में शामिल करना है। एचबीटीयू के शताब्दी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर रहीं राज्यपाल ने कहा कि विधि शिक्षा को पारदर्शी बनाए।

एचबीटीयू बढ़े, सरकार करेगी मदद: जितिन प्रसाद

प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि एचबीटीयू के पूर्व छात्र व शिक्षक शोध कर प्रदेश को विकास की ओर अग्रसर करें, सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। यहां के पूर्व छात्र देश-विदेश में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। नवाचार और स्टार्टअप से ही देश का विकास होगा। नई शिक्षा नीति से युवा शक्ति रोजगारपरक व आत्मनिर्भर बनेगी। टीम इंडिया में कई वे मेधावी छात्र भी हैं, जो एचबीटीयू से जुड़े हैं।

स्टाफ ने पीडब्ल्यूडी की पीठ थपथपाई

राष्ट्रपति के स्टॉफ ने मेहरबान सिंह का पुरवा और एचबीटीयू में हैलीपैड के निर्माण और हेलीकाप्टर से कुशल लैंडिंग पर गुरुवार को पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बुलाकर पीठ थपथपाई। स्टॉफ अधिशाषी अभियंता एसपी ओझा को बुलाकर हैलीपैड के त्वरित निर्माण का ब्योरा जाना और फिर साफ किया कि सेफ लैंडिंग से ही बेस का आकलन किया जाता है।

स्कॉलरशिप दें पूर्व छात्र : राष्ट्रपति ने कहा कि पांच दशक पहले केंद्र सरकार में मंत्री रहे केशव देव मालवीय से लेकर आज के युग में वर्ल्ड स्मिथ नॉलेज पोर्टल को विकसित करने वाले अनु गर्ग, वर्ल्ड लीडरशिप वाले अनिल खंडेलवाल और इंडिया मार्ट के संस्थापक दिनेश अग्रवाल जैसी हस्तियां एचबीटीयू (तब एचबीटीआई) की ही देन हैं। एल्युमिनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष और केरल में पुलिस कमिश्नर बलराम उपाध्याय का नाम लेते हुए कहा कि अनेक छात्र विभिन्न सेवाओं में कार्यरत हैं। पूर्व छात्र स्वेच्छा से आगे आएं और वंचित वर्ग की मदद करें। आईआईटी दिल्ली के 200 करोड़ से शुरू किए गए पूर्व छात्रों के एंडोमेंट फंड का उदाहरण दिया। कहा कि इसके माध्यम से गरीब छात्रों की मदद की जा सकती है।

चांदी के स्मारक सिक्के डाक टिकट का विमोचन

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

एचबीटीयू के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 100 रुपये कीमत के चांदी के स्मारक सिक्के और 05 रुपये कीमत के विशेष कवर के साथ डाक टिकट का अनावरण किया। साथ ही हिस्ट्री बुक और कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स, शताब्दी भवन, शताब्दी स्तंभ समेत अन्य भवनों का लोकार्पण किया। एचबीटीयू के कुलपति प्रोफेसर समशेर ने चांदी का सिक्का, कॉफी टेबल बुक और इतिहास पुस्तिका की पहली प्रति राष्ट्रपति को भेंट की। इसके बाद राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल, औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने अनावरण किया। डाक टिकट के अनावरण में मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कौशलेंद्र कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। एचबीटीयू शताब्दी समारोह में 100 रुपये का सिक्का जारी करने वाला चौथा विश्वविद्यालय बन गया है।

इन भवनों का किया लोकार्पण : नवनिर्मित ऑडिटोरियम, 36 सीटर छात्रा छात्रावास, शताब्दी द्वार, 200 सीटेड छात्रावास, शताब्दी स्तंभ एवं टाइम कैप्सूल, यांत्रिकी अभियंत्रण के कक्षों का लोकार्पण, कुलपति आवास, शताब्दी भवन, लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल भवन का लोकार्पण किया।

समारोह में ये भी मौजूद रहे

महापौर प्रमिला पांडेय, राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, सांसद सुखराम सिंह यादव, विधायक भगवती सागर, महेश त्रिवेदी, सरेंद्र मैथानी, सलिल विश्नोई, कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, सीएसए के कुलपति प्रोफेसर डॉ. डीआर सिंह, कुलसचिव डॉ. नीरज थे।

जैमर से टूटी कनेक्टिविटी

शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति को पश्चिमी कैंपस में आयोजित समारोह में बटन दबा कर पूर्वी कैंपस में स्थित शताब्दी स्तंभ के अंदर टाइम कैप्सूल को जमींदोज करना था। जैमर के कारण कनेक्टिविटी नहीं थी। इस कारण शताब्दी भवन में बटन नहीं दबाया जा सका। कुलपति ने समारोह के बाद पूर्वी भवन जाकर टाइम कैप्सूल को जमींदोज किया।

एचबीटीयू के पूर्व छात्र वेस्ट कैंपस में बनवा रहे हॉस्पिटल

कानपुर। एचबीटीआई एल्युमिनाई एसोसिएशन एचबीटीयू कैंपस में गरीबों के इलाज के लिए अस्पताल का निर्माण करा रहा है। इसका संचालन पूरी तरह पूर्व छात्र करेंगे। इसकी शुरुआत ओपीडी से होगी लेकिन धीरे-धीरे यह अस्पताल में बदल जाएगा।

गुनेंद्र पाल सिंह

पूर्व छात्र गुनेंद्र पाल सिंह 1992 बैच (ब्रांच पेंट) के पूर्व छात्र हैं। वह आज देश के उन 1200 में से एक शख्स हैं जो सर्वाधिक टैक्स देते हैं। सीका इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने बताया कि उनकी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने एक तकनीक विकसित की है जिसमें पुराने भवनों का मलबा (कंकरीट) का दोबारा उपयोग किया जा सकेगा।

विवेक मिश्रा

पूर्व छात्र और एल्युमिनाई एसो के सचिव विवेक मिश्रा 1987 बैच के छात्र रहे हैं। उन्होंने बताया कि एचबीटीयू टीबीआई फाउंडेशन का गठन कर इसे पंजीकृत कराया। पूर्व छात्र एके दत्ता ने कैंपस में एक लैब स्थापित कराई है। इससे इन्क्यूबेशन समेत स्टार्टअप में मदद मिलेगी। एचबीटीयू ने कंपनी के साथ आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रो. एसके अवस्थी

प्रो. एसके अवस्थी 1970 बैच के पूर्व छात्र रहे हैं। 2008 में वह एचबीटीयू के निदेशक भी रहे। इससे पहले 2005-07 तक वह बीआईटी झांसी के निदेशक रहे। प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि यूनिवर्सिटी की कमान अब युवाओं के हाथ में है। यूनिवर्सिटी का वह बेहतर विकास कर सकेंगे। पूर्व छात्रों को एकजुट करने करने को उन्होंने 17 वर्ष पूर्व एल्युमिनाई एसोसिएशन बनाई।

प्रो. आरपी सिंह

पूर्व छात्र और एचबीटीआई के पूर्व निदेशक प्रो. आरपी सिंह के मुताबिक, आने वाले पांच से दस वर्षों में एचबीटीयू आईआईटी, एनआईटी के पास पहुंच जाएगा। नई टीम मेहनत के साथ काम कर रही है, उसके परिणाम शीघ्र सामने आएंगे। मैं ने जब संस्थान के 50 वर्ष पूरे हुए थे तब इसके समारोह में हिस्सा लिया था। हम इस बात पर गौरव भी महसूस कर सकते हैं।

एसपी देहर

एचबीटीयू के पूर्व छात्र एसपी देहर ने देश-विदेश में कई जगह नौकरी की। बाद में उन्होंने एक कंपनी स्थापित की जो विदेश से टेक्नोलॉजी लाने में मदद करती है। एलपीजी सिलेंडर जो अब प्लास्टिक के तैयार होने जा रहे हैं, उसकी तकनीक वह विदेश से लाए और एक कंपनी की दी। इसी तरह

योगेश गोयल

पूर्व छात्र योगेश गोयल 1975 बैच के छात्र हैं। उनका पहला वेतन 825 रुपये था। आज उनकी कंपनी चार मिलियन डॉलर का कारोबार करती है। अपने भाई के कहने से अमेरिका गए और वहां 12 डॉलर प्रति घंटा की दर से पहले नौकरी की। मुरादाबाद के मूल निवासी योगेश तीन साल पहले भी